राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 19 मार्च, 1984

कमोक 307-ज (II) -84/7686.--श्री रिसाल सिंह, पुत्र श्री गुगन सिंह, गांव सुनारी कलां, तहसील व जिला रोहतक, की दिनांक 24 जुलाई, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार यधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपनाया गया है भीर उसमें बाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए औ रिसाल सिंह की मुक्लिय 300 रुपये वार्षिक की बागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिमुखना कमांक 1507-ज-(II)-75/20376, दिनांक 14 जुलाई, 1975, तथा प्रधिसूचना क्रमांक 1789-चे-1-79/44040, दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, भव उसकी विधवा भीमती नानटी के नाम रबी, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 253-ज(II)-84/7690.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के मनुसार सौंदे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपान, श्रीमती छोटी, विधवा श्री रिष्ठपाल, गांव खंडोडा, तहसील रिवाडी, जिला महैन्द्रगढ़, को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक, खरीफ, 1970 से खरीफ़, 1979 तक 150 रुपये वाधिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शजी है भनुसार सहवे प्रदान करते हैं।

कमांक 258-ज(II)-84/7694 -- श्रो कुरड़ा राम, रुव श्रो हरलाल, गांव छिलरो, तहसील नारनौल, जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 12 नवम्बर, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वक्षप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रयनाया गया है भीर उसमें प्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री सुरड़ा राम की मुस्लिंग 300 रुपये पार्षिक की नागीर जो उसे हरियाणा सरकार की प्रधिसुचना क्रमांक 212-ज-(I)-81/25135, दिनांक 21 जुलाई, 1981 द्वारा मंजूर की गई पी, प्रव ३स की विश्ववा श्रीमती कड़ीया के नाम खरीफ, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से समक्ष में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 214-ज-(II)-84/7698.---पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तया 3(1ए) के भनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती विद्या देवी, विधवा श्री गाहड़ सिंह, गांव वापोड़ा, तहसील व फिला भिवानी, को खरीफ, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रागे वार्षिक कीमत की युद्ध आगीर समद में दी गई शतों के धनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

कमांक 263-ज(II)-84/7702.---पूर्वी णंजाव युद्ध पुरुस्कार ग्राधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में धपनाया गया है भीर उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सींपे गये भिधकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री लक्ष्मी नारायण, पुत्र श्री गोपाल, गांव चांगरोड़, तहसील दादरी, जिला भिक्षानी, को रबी, 1976 से खरीफ़, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के मन्सार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 239-ज-(II)-84/7707.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रीव्यनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और उसमें प्राज तक संशोधन किया गया है) की घारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के प्रनुसार सींपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री रामनारायण, पुत्र श्री मामराज, गांव मुडीयान, तहसील व जिला महन्द्रगढ़, को रबी, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रपये वाधिक तथा रबी, 1980 से 300 स्पमे वाधिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।